BHILAI MAHILA MAHAVIDYALAYA

Managed by Bhilai Education Trust

Affiliated to Hemchand Yadav Vishwavidyalaya, Durg

Accredited B+ by NAAC

Your Future Starts Here.....

Where learning meets inspiration and possibilities are endless

☎ 0788-2242699

🖷 2210078

🌐 www.bmmbhilai.com

Admission Brochure 2023-2024

Vision

To be acknowledged as a pro-active institution which strives hard to fulfil the aspirations of students, help them in developing sound knowledge base, correct skills, attitudes and understanding to enable them to sail confidently through complexities and challenges of life.

Goals of Our Education

- To enable our students to develop their full intellectual potential through a focussed academic experience that is simultaneously rich, extensive and collaborative.
- To offer the students scope for critical thinking and discernment, leading to the development of value based convictions.
- To help the students develop a degree of self reliance and determination, to respond with courage and sensitivity to personal and social issues.
- To generate among students an awareness of women's issues, human rights and environmental issues, so that they understand and respond constructively to these.
- In the context of the globalization, to foster in students a sense of national identity that is secular and multi-cultural with respect and tolerance of all cultures and religions for humanity at large.

The Objective of the College has always been commitment to women, as such education is perceived to be the means of both personal and social transformation and provides upliftment that helps in the all round growth of students.

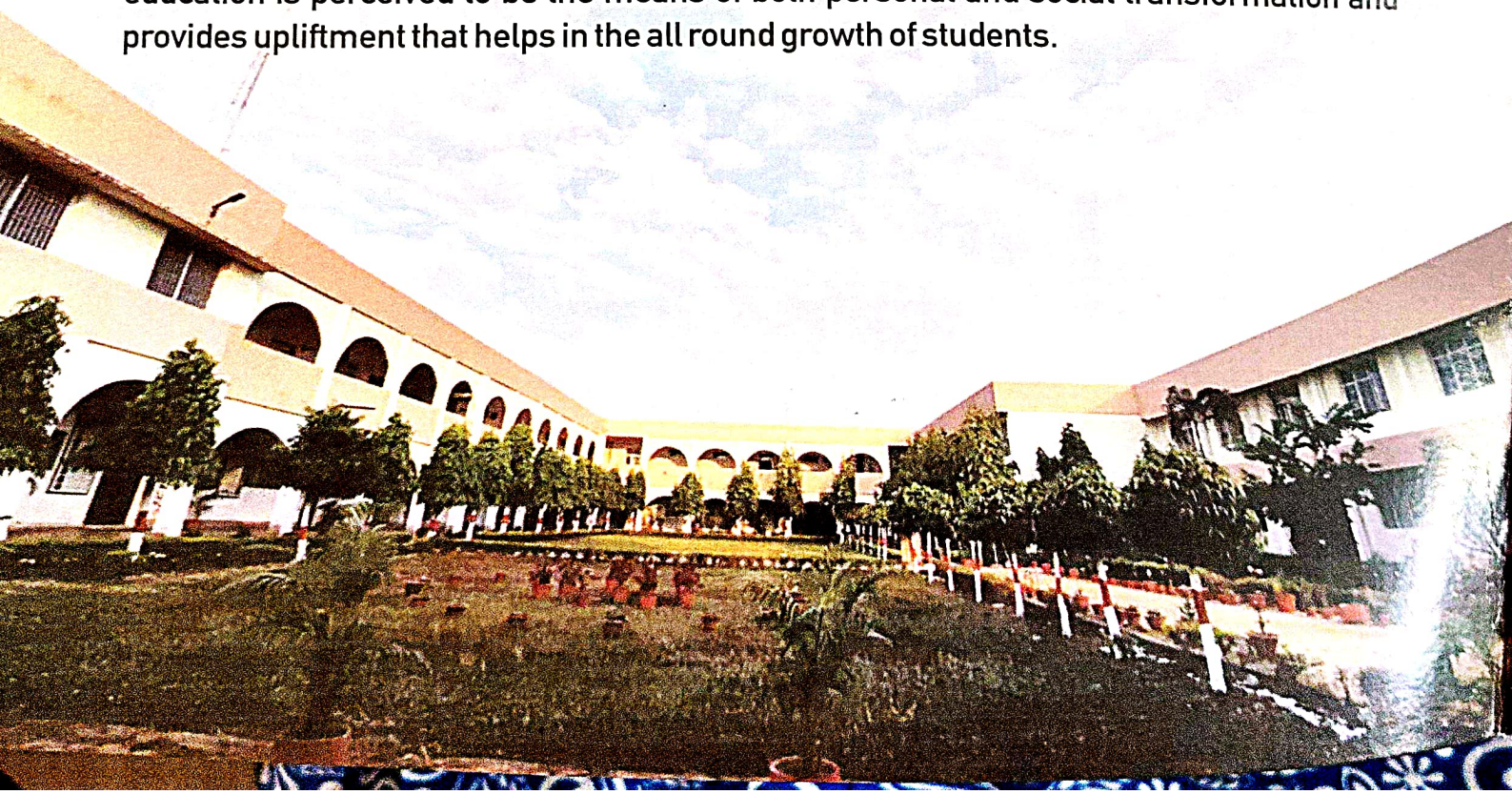

From the Principal's Desk ...

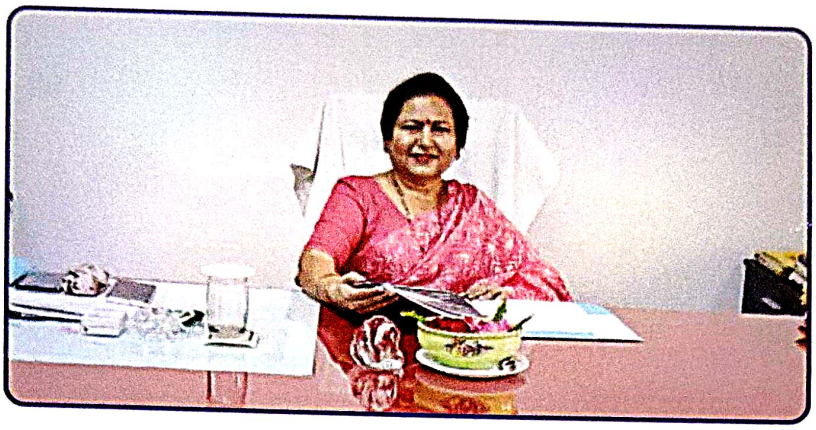

According to swami Vivekananda ji-
Education is the manifestation of perfection already in man. So- Anse, Awake and stop not tell the goal is reached.
Education is a collaborative effort between professionals, teachers and students. It is our goal to make each and every student succeed in their respective field of specialization and skill and extend opportunities to became confident and face all possible challenges in life in today's globalized world.
Education awakens power and creativity within us. It does not only mean academic excellence but also a harmonious and synchronized combination of hand skills in the form of various arts the head which is the intellectual power and the heart which deals with values.
In the present era of this digitalized world it is the biggest challenge before educators and parents to nurture the youth with the indelible impressions of a holistic education.
As we stand on the threshold of a new academic session. I extend a very warm welcome to all my old students along with those who are opting to join us in the forthcoming session 2023-2024.
I am extremely proud of the accomplishments of my students in the classrooms, university, community and on the athletic field in the session 2022-2023. Now let us gear up to face new challenges in the new session and meet them with poise and grace. Hard work is obligating if we want to reach greater heights in life.
I am whole heartedly thankful to all the stake holders specially the parents who have always supported their institution and we shall further keep striving in providing a safe conductive a homely and a welcoming college environment.
We as a team will encourage a positive communication and interaction among the students, teachers and community.
With the paradigms of education ever changing let's take the arc of history. In our hands and bend it towards a better tomorrow in still better and imagination ways.

Dr. Sandhya Madan Mohan
Principal
Bhilai Mahila Mahavidyalaya

भिलाई महिला महाविद्यालय, भिलाई नगर (छ.ग.)

(भिलाई एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा संचालित)

शिक्षा सदा से मानव इतिहास का वाहक रही है। सामाजिक सांस्कृतिक चुनौती का सामना करने में शिक्षा सक्षम है। उच्च शिक्षा वर्तमान एवं भविष्य का दर्पण है। यही शिक्षा नारी से सम्बद्ध होकर उसे संपूर्णता प्रदान करती है। नारी शिक्षा राष्ट्रोत्थान का महत्वपूर्ण सोपान है। शिक्षित नारी ही परिवार समाज राष्ट्र की महत्तूपर्ण धुरी बनती है । यह महाविद्यालय नारी के ऐसे स्वरूप का समादर करते हुए नित नए मानदण्डों का स्पर्श कर रहा है।

भिलाई महिला महाविद्यालय शिक्षा के माध्यम से नारी उत्थान के समस्त पहलुओं को प्रोत्साहित करने वाला तथा अध्ययन विषयों में अकादमिक विशेषज्ञता स्थापित करने वाला विशिष्ट शिक्षण संस्थान है। भिलाई एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा 1979 से संचालित इस महाविद्यालय को इस्पात नगरी भिलाई के प्रथम महिला महाविद्यालय के रूप में जाना जाता है। ट्रस्ट के सदस्य अधिकारी, भिलाई के जागरूक अभिभावक, संयंत्र के उच्चाधिकारी, समाजसेवी, उद्योगपति एवं प्रबुद्ध वर्ग हैं। उत्कृष्ट अधोसंरचना से युक्त महाविद्यालय स्नातक स्तर पर विज्ञान एवं गृहविज्ञान दो संकायों से 120 छात्राओं के सहित प्रारंभ किया गया था। जो आज 1750 से अधिक छात्रा संख्या एवं विभिन्न संकायों, विषयों से संपन्न यह महाविद्यालय न केवल स्थानीय छात्राओं को वरन् राज्य एवं राज्येत्तर छात्राओं को भी शिक्षा प्रदान करने में संलग्न है। महाविद्यालय में विज्ञान, गृहविज्ञान, वाणिज्य शिक्षा, कला संकाय स्नातक स्तर पर संचालित है इसके अतिरिक्त रसायन शास्त्र, गणित, भौतिक शास्त्र, कम्प्यूटर साइंस, प्राणीशास्त्र, वनस्पतिशास्त्र, बायोटेक्नॉलाजी, माइक्रोबायोलाजी, टेक्सटाइल एंड क्लोदिंग, ह्यूमन डवलपमेंट, एम.काम, पी.जी.डी.सी.ए की स्नातकोत्तर की कक्षाएं भी संचालित है। महाविद्यालय में गृहविज्ञान, रसायन शास्त्र एवं वाणिज्य में शोध केन्द्र उपलब्ध है। महाविद्यालय के 18 सहायक प्राध्यापकों को हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग द्वारा शोध निर्देशक की मान्यता प्राप्त हैं। पारंपरिक विषयों के अतिरिक्त रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम में निष्णात करने हेतु महाविद्यालय अग्रसर है। हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों माध्यमों में अध्यापन महाविद्यालय की विशेषता है। महाविद्यालय के प्राध्यापक उच्च उपाधियुक्त होने के साथ-साथ परिवर्तित आधुनिक पाठ्यक्रम की विशेषज्ञता हेतु रिफ्रेशर कोर्स, ओरिएंटेशन, सेमीनार, वर्कशॉप आदि में अपनी सहभागिता द्वारा अपने को नव्यज्ञान से संपन्न करते हैं। महाविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से नियमित अनुदान प्राप्त होता है तथा यह संस्थान हेमचंद यादव विश्वविद्यालय से संबद्धता प्राप्त है।

यह महाविद्यालय न केवल पाठ्यक्रमोचित गतिविधियों में वरन् क्रीड़ा, साहित्यिक, सांस्कृतिक क्षेत्र में भी प्रदेश में अग्रणी है। इन क्षेत्रों में महाविद्यालय की छात्रायें राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुकी हैं। मूल्य आधारित शिक्षा आज की आवश्यकता है और भिलाई महिला महाविद्यालय इस लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु प्रयासरत है। प्रस्तावित नवीन शिक्षा प्रणाली हेतु महाविद्यालय तैयार है।

हमारी शिक्षा का उद्देश्य

1. महाविद्यालय की छात्राओं को बौद्धिक एवं तार्किक शक्ति संपन्न बनाना ।
2. छात्राओं में मूल्य आधारित नेतृत्व क्षमता का विकास।
3. सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य के प्रति संवेदनशील जागरूकता।
4. लिंग भेद, मानवाधिकार, पर्यावरण आदि ज्वलंत विषयों के प्रति जागृति एवं सक्रियता।
5. छात्राओं में धर्मनिरपेक्षता, सांस्कृतिक विविधता जैसे प्रकरणों पर समझ एवं सम्मान विकसित करना।

छात्रावास

महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्धेश्य से महाविद्यालय में स्थानीय ही नहीं वरन् अन्य जिलों एवं प्रदेशों से आयी छात्राओं के लिए 200 सीटों से युक्त छात्रावास सुविधा उपलब्ध है। आवास एवं भोजन सुविधा के अतिरिक्त यहाँ रहने वाली छात्राओं को देश की इन्द्रधनुषी संस्कृति से जोड़ते हुए विभिन्न पर्वो त्योहारों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन छात्रावास में किया जाता है।

सत्र प्रारंभ

शासन एवं विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार सत्र 2023-24 प्रारंभ किया जायेगा। स्नातक स्तर पर वार्षिक प्रणाली लागू है। विगत आठ वर्षो से महाविद्यालय की स्नातकोत्तर कक्षाओं में सेमेस्टर प्रणाली प्रचलित है।

पाठ्यक्रम

भिलाई महिला महाविद्यालय आज पाठ्यक्रमों की विविधता का पर्याय बन चुका है। विज्ञान, गृहविज्ञान, वाणिज्य कला संकाय के पारंपरिक विषयों के (बी.एस.सी. बायोलॉजी, गणित, गृहविज्ञान एवं एम.एस.सी. (गृहविज्ञान), मानवविकास, टेक्सटाइल एवं क्लोथिंग, वनस्पति शास्त्र, प्राणी शास्त्र, रसायन शास्त्र, भौतिक शास्त्र, गणित एवं एम. कॉम) के अतिरिक्त बी.एस.सी. एवं एम.एस.सी. कम्प्यूटर सांईस, बायोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबायलॉजी, बी.सी.ए., बी.एकृ, कॉमर्स विद् कम्प्यूटर एवं पी.जी.डी.सी.ए. जैसे रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम के अध्यापन की व्यवस्था भी है। उपाधि पाठ्यक्रम के अतिरिक्त अल्प अवधि प्रमाण-पत्र वाले टेली, कम्युनिकेटिव इंग्लिश, सम्प्रेषणीय हिंदी, सीएमए एण्ड जीएसटी, बेकरी एवं कान्फेक्शनरी जैसे कई डिप्लोमा पाठ्यक्रम महाविद्यालय में समय-समय पर संचालित किए जाते है सत्र 2021 से महाविद्यालय में बी.ए. (कला संकाय) की कक्षाएं हिन्दी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, गृह विज्ञान, मनोविज्ञान एवं अर्थशास्त्र के साथ प्रारंभ की गयी है।

पुस्तकालय

महाविद्यालय का पुस्तकालाय वर्त्तमान में 33,452 पुस्तकों राष्ट्रीय अर्न्तराष्ट्रीय जर्नल्स, पत्र-पत्रिकाओं, पिरिओडिक्ल्स से समृद्ध है। निर्धन, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की छात्राओं के लिए बुक बैंक योजना है। महाविद्यालय का पुस्तकालय इंटरनेट मल्टीसीट (10 सीटों से युक्त) कम्प्यूटर सिस्टम एवं N-List एवं e-Lib, की सुविधा से युक्त है, इसके अंतर्गत 6000+ ईजर्नल्स 1,99,500+ ई-बुक्स एवं N-List के अंतर्गत 6,00,000 ई-बुक्स के अध्ययन की सुविधा हैं।

पाठ्यक्रमेत्तर गतिविधियाँ

शिक्षा के द्वारा व्यक्तित्व के पूर्ण विकास को दृष्टिगत रखते हुए यहाँ अध्ययन-अध्यापन के अतिरिक्त साहित्यिक, सांस्कृतिक, क्रीड़ा, राष्ट्रीय सेवा योजना जैसी अनेक गतिविधियाँ की जाती है।